डॉ. शशि भूषण
अतिथि सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग
एस. आर. ए. पी. कॉलेज,
बारा-चकिया

B.A. Part-II
HINDI

Date - 11-02-2022

Page No.
Date

'रमानाथ का चरित्र-चित्रण'

रमानाथ गबन उपन्यास का प्रमुख पात्र है। उपन्यास का नायक होने के साथ-साथ वह वर्तमान युग के युवा वर्ग का प्रतिनिधि है। जिसके माध्यम से उपन्यासकार ने युवा वर्ग के चरित्र को चित्रित किया है। रमानाथ एक ऐसा नायक है जिसमें कुछ अच्छाई है तो कुछ मानव जनित सहज दुर्बलताएँ भी हैं। बिंदुवार रमानाथ के चरित्र की विशेषता निम्नानुसार है—

1. अकर्मण्य युवक :-

कथानक के आरंभ रमानाथ एक अकर्मण्य और अवारा युवक के रूप में पाठकों के समक्ष आता है। उसकी अकर्मण्यता से उसके पिता बेहद परेशान है। युवा पुत्र पिता का बाँया हाथ होता है। यही अपेक्षा मुंशी दयानाथ रमानाथ से रखते है कि युवा होकर वह अपना दायित्व बोध संभाले। किन्तु रमानाथ उनकी उम्मीदों पर खड़ा नहीं उतरता।

2. निर्बल चरित्र :-

रमानाथ का लापरवाहपूर्ण व्यक्तित्व उसके चरित्र को निर्बल बनाता है। यहाँ तक कि पत्नी द्वारा उसके विवाह करने के प्रस्ताव को भी दयानाथ यह कहकर ठुकरा देते है कि "जो आदमी अपने पेट

Scanned by CamScanner

की फिक्र नहीं कर सकता, उसका विवाह करना मुझे तो अधर्म सा मालूम होता है।"

3. संकोची प्रवृत्ति :-

उसकी सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि वह अपने मन की बात निकट-से-निकट व्यक्ति को भी नहीं बताता। घर के आर्थिक हालत वह संकोचवश अपनी पत्नी जालपा से भी नहीं कहता है।

4. अनन्य प्रेमी :-

वह जालपा से सच्चा प्रेम करता है इसीलिए उसकी प्रत्येक इच्छा पूर्ण करना चाहता है।

उपरोक्त विवेचना से स्पष्ट है कि रमानाथ कथानक का नायक अवश्य है परन्तु उसके व्यक्तित्व का कोई निजत्व नहीं है। उसमें नायक का उज्वल पक्ष साबित करने के कोई गुण नहीं है। वह परिस्थितियों से हारे हुए युवक के रूप में सामने आता है। अंत में जीवन की सही दिशा हेतु उसे अपनी पत्नी जालपा से सहयोग लेना पड़ता है।

Scanned by CamScanner